

करेंसी डेरिवेटिव (currency derivatives) को जानें

संदर्भ

करेंसी डेरिवेटिव (currency derivatives) विक्रेता और खरीदार के बीच एक अनुबंध है, जिसका मूल्य अंतरनहिती परसिंपतता, मुद्रा राशसे लिया जाता है। करेंसी डेरिवेटिव को वदिशी मुद्रा वनिमिय दर असुथरिता (Foreign Currency Exchange Rate Volatility) के खलिफ कसिी भी जोखमि का प्रबंधन करने के लयि सबसे अचछे विकिल्पो में से एक माना जाता है।

मुद्रा डेरिवेटिव क्या हैं?

- मुद्रा वनिमिय दरों के आधार पर डेरिवेटिव भवषिय का एक अनुबंध है जो उस दर को नरिधारति करता है जसि पर कसिी मुद्रा को कसिी अन्य मुद्रा के लयि भवषिय की तारीख में आदान-प्रदान कयिा जा सकता है।
- भारत में कोई भी व्यक्ती डॉलर, यूरो, यूके पाउंड और येन जैसी मुद्राओं के खलिफ बचाव के लयि ऐसे डेरिवेटिव अनुबंधों का उपयोग कर सकता है।
- वशिष रूप से आयात या नरियात करने वाले कॉर्पोरेट इन अनुबंधों का उपयोग कसिी नशिचति मुद्रा के जोखमि के खलिफ बचाव के लयि करते हैं।
- हालाँकि, इस तरह के सभी मुद्रा अनुबंधों का रुप में नकद के रूप में नपिटारा (cash-settled) कयिा जाता है, इस साल की शुरुआत में भारतीय प्रतभूति और वनिमिय बोर्ड (सेबी) ने क्रॉस मुद्रा अनुबंध के साथ-साथ यूरो-डॉलर, पाउंड-डॉलर और डॉलर- येन के साथ व्यापार में आगे बढ़ने को कहा है।

करेंसी डेरिवेटिव के साथ कोई व्यापार कैसे कर सकता है?

- दो राष्ट्रीय स्तर के स्टॉक एक्सचेंज, BSE और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) में करेंसी डेरिवेटिव सेगमेंट हैं। मेट्रोपॉलिटिन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (MSEI) में भी ऐसा ही सेगमेंट है लेकिन BSE या NSE पर इसका अधिक वसितार देखा गया है।
- कोई भी ब्रोकर के माध्यम से मुद्रा डेरिवेटिव में व्यापार कर सकता है। संयोग से सभी प्रमुख स्टॉक ब्रोकर भी मुद्रा व्यापार सेवाएँ प्रदान करते हैं।
- यह इक्वटी या इक्वटी डेरिवेटिव सेगमेंट में ट्रेडिंग की तरह है और ब्रोकर के ट्रेडिंग एप के माध्यम से कयिा जा सकता है। यद्यपि डॉलर-रुपए का अनुबंध आकार 1,000 डॉलर है, लेकिन केवल 2-3% मार्जनि देकर व्यापार शुरू कयिा जा सकता है।

एक्सचेंज प्लेटफॉर्मों पर ऐसे डेरिवेटिव क्यों शुरू कयि गए थे?

- एक्सचेंजों पर मुद्रा डेरिवेटिव की शुरुआत से पहले, केवल ओटीसी (over the counter) व्यवस्था थी। यह एक अपारदर्शी और बंद बाज़ार था जहाँ ज़्यादातर बैंक और वतितीय संस्थानों द्वारा कारोबार कयिा गया।
- एक्सचेंज आधारति करेंसी डेरिवेटिव सेगमेंट एक वनियिमति और पारदर्शी बाज़ार है जसिका उपयोग छोटे व्यवसायों और यहाँ तक कवियक्तयिों द्वारा उनके मुद्रा जोखमिों को संभालने के लयि भी कयिा जा सकता है।

क्या डेरिवेटिव लोकप्रयि है?

- 2008 में करेंसी सेगमेंट का अनावरण कयिा गया था और तब से इसके वसितार में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है।
- जून में BSE ने अपने मुद्रा डेरिवेटिव प्लेटफॉर्म पर 33,961 करोड़ रुपए का औसत दैनिक कारोबार दर्ज कयिा, जबकि NSE ने 29,161 करोड़ रुपए का औसत दैनिक कारोबार दर्ज कयिा। MSEI ने जून में केवल 239 करोड़ रुपए के दैनिक औसत के हिसाब से कारोबार की सूचना दी।
- सेगमेंट में हुई वृद्धि को पछिले कुछ वर्षों में कारोबार में लगातार वृद्धि से पता लगाया जा सकता है। उदाहरण के लयि 2014-15 में NSE के करेंसी सेगमेंट का औसत दैनिक कारोबार 12,705 करोड़ रुपए था जो 2015-16 में 18,603 करोड़ रुपए और उसके बाद 2017-18 में 20,779 करोड़ रुपए हो गया।
- वर्तमान वतितीय वर्ष में अब तक औसत दैनिक कारोबार 29,008 करोड़ रुपए आँका गया है।

